'शिक्षित वही जो चुनौतीपूर्ण समय में भी मानवता की सेवा करे,' डॉ मेहता;
संजौली कॉलेज में 'कोविड महामारी में मनोवैज्ञानिक संबल का महत्व' पर ऑनलाइन कार्यशाला

उत्कृष्ट शिक्षा केंद्र राजकीय महाविद्यालय संजौली में आज दिनांक 14 जून 2021 को 'कोविड महामारी में मनोवैज्ञानिक संबल का महत्व' विषय पर एक ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन किया गया। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा समिति, उच्चतर शिक्षा विभाग, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार की सहभागिता से आयोजित इस कार्यशाला में प्राचार्य डॉ चंद्र भान मेहता बतौर मुख्य अतिथि जबकि श्री समर्थ शर्मा विषय विशेषज्ञ के रूप में शामिल हुए। गूगल मीट के माध्यम से हुई कार्यशाला के सफल आयोजन पर डॉ चंद्र भान मेहता ने कहा कि चुनौतियां जिंदगी का हिस्सा हैं, लेकिन जो बड़ी से बड़ी चुनौती में भी मानवीय मूल्यों एवम् परस्पर सहयोग की भावना को खत्म न होने दे, वही सच्चे अर्थों में शिक्षित है। उन्होंने कहा कि पूरी मानवता साथ मिलकर इस संकट पर भी विजय अवश्य हासिल करेगी।

कार्यशाला में विशेषज्ञ ने सभी प्रतिभागियों, विशेषकर विद्यार्थियों को कोविड संकट से त्रस्त व्यक्ति तक वैज्ञानिक परामर्श, मनोवैज्ञानिक सहयोग एवम् प्रशानिक सुविधाओं की त्वरित व प्रभावी जानकारी प्रदान करने के गुरमंत्र साझा किए।

कार्यशाला का संचालन डॉ राजेश धोरटा ने किया, जबकि प्रो मृत्युंजय शर्मा ने तकनीकी सहयोग दिया। इस कार्यशाला में महाविद्यालय के सभी प्राध्यापकों के अलावा लगभग एक सौ विद्यार्थियों ने भाग लेकर स्वयं को लाभान्वित किया।

शिक्षित वही जो चुनौतीपूर्ण समय में भी मानवता की सेवा करे : चंद्रभान

शिमला, 14 जून (अम्बादत): शिक्षित वही जो चुनौतीपूर्ण समय में भी मानवता की सेवा करे। यह बात संजौली कालेज के प्रधानाचार्य डा. चंद्रभान मेहता ने कोविड महामारी में मनोवैज्ञानिक संबल का महत्व विषय पर आयोजित ऑनलाइन कार्यशाला के दौरान कही। उत्कृष्ट शिक्षा केंद्र राजकीय महाविद्यालय संजौली में सोमवार को कोविड महामारी में मनोवैज्ञानिक संबल का महत्व विषय पर एक ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन किया गया। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा समिति उच्चतर शिक्षा विभाग, शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार की सहभागिता से आयोजित इस कार्यशाला में प्राचार्य डा. चंद्रभान मेहता बतौर मुख्यातिथि, जबकि समर्थ शर्मा विषय विशेषज्ञ के रूप में शामिल हुए।

कोविड महामारी में मनोवैज्ञानिक संबल का महत्व विषय पर कार्यशाला

शिमला (ब्यूरो): सैंटर ऑफ एक्सीलैंस कालेज संजौली द्वारा कोविड महामारी में मनोवैज्ञानिक संबल का महत्व विषय पर ऑनलाइन कार्यशाला करवाई गई। कार्यशाला में विशेषज्ञ ने सभी प्रतिभागियों, विशेषकर छात्रों को कोविड संकट से त्रस्त व्यक्ति तक वैज्ञानिक परामर्श, मनोवैज्ञानिक सहयोग व प्रशासनिक सुविधाओं की त्वरित व प्रभावी जानकारी प्रदान करने के गुरमंत्र साझा किए। कार्यशाला महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा समिति, उच्चतर शिक्षा विभाग, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार की सहभागिता से आयोजित की गई। जिसमें संजौली कालेज प्राचार्य डा. चंद्र भान मेहता बतौर मुख्यातिथि शामिल हुए, जबकि समर्थ शर्मा विषय विशेषज्ञ के रूप में शामिल हुए। गूगल मीट के माध्यम से हुई कार्यशाला में डा. चंद्र भान मेहता ने कहा कि चुनौतियां जिंदगी का हिस्सा है, लेकिन जो बड़ी से बड़ी चुनौती में भी मानवीय मूल्यों व परस्पर सहयोग की भावना को खत्म न होने दे, वही सच्चे अर्थों में शिक्षित है। उन्होंने कहा कि पूरी मानवता साथ मिलकर इस संकट पर भी विजय अवश्य हासिल करेगी। कार्यशाला में महाविद्यालय के सभी प्राध्यापकों के अलावा लगभग एक 100 विद्यार्थियों ने भाग लिया।